राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 2 अंक 318

मूल्य ₹5.00, नई दिल्ली, शुक्रवार, 26 अप्रैल 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

बीते पांच वर्ष गंभीर प्रयासों के थे, आने वाले पांच साल नतीजे के होंगे। विकास की गति और दिशा सही है...

–काशी में पीएम मोदी

महासमर 2019

- अयोध्या में राम मंदिर मुद्दे पर इतनी चुप्पी क्यों है भाई • पेज 5
- तृकां प्रत्याशी मुनमुन सेन ने पाक पीएम इमरान को बताया पुराना मित्र • पेज 6
- वरुण गांधी बोले, वंशवाद देश के लिए शुभ संकेत नहीं है • पेज 7
- सपा-बसपा ने आजमगढ़ को बनाया आतंकवाद का गढ़ : योगी • पेज 7

विश्वास News

नीरव मोदी को देश से भगाए जाने का दावा फर्जी ?

विश्वास न्यूज की पड़ताल • पेज 6

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

बालाकोट में छह में से पांच ठिकाने नष्ट किए : वायु सेना

नई दिल्ली : भारतीय वायु सेना ने कहा है कि बालाकोट में 26 फरवरी को हुई एयरस्ट्राइक में जैश-ए-मुहम्मद के छह में से पांच ठिकानों को निशाना बनाया गया। सेना ने यह भी कहा है कि अगर उसके पास उच्च स्तरीय तकनीकी विविधता होती तो पाक को उसके 27 फरवरी के हवाई हमले के दुस्साहस के दौरान ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता था। वायु सेना ने बालाकोट एयरस्ट्राइक की समीक्षा रिपोर्ट में ये बातें कही है।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 10

कश्मीर में भीषण मुठभेड़, हिज्ब के दो आतंकी ढेर किए गए

श्रीनगर : दक्षिण कश्मीर के बिजबिहाड़ा में गुरुवार को सुरक्षाबलों ने एक भीषण मुठभेड़ में सैफुल्ला समेत हिजबुल मुजाहिदीन के दो आतंकियों को मार गिराया। सैफुल्ला का असली नाम बुरहान है। आतंकी बनने से पहले वह फिजियोथैरेपी की पढ़ाई कर रहा था। उल्लेखनीय है कि कश्मीर में इस साल अब तक सेना और सुरक्षाबल 71 आतंकियों को मार चुके हैं।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 11

स्वामी की मांग, एयर इंडिया में करें जेट एयरवेज का विलय

नई दिल्ली : एक तरफ बैंकों का समूह जेट एयरवेज के लिए नए निवेशक और एयरलाइन प्रबंधन यात्रियों को रिफंड देने के उपाय तलाशने में जुटा है। दूसरी तरफ जेट मामले को कानूनी और सियासी रंग देने के प्रयास भी शुरू हो गए हैं। भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने विमानन मंत्री सुरेश प्रभु को पत्र लिखकर जेट के स्लॉट दूसरी कंपनी को दिए जाने का विरोध करते हुए एयर इंडिया में उसके विलय का सुझाव दिया है।

आजकल ▶ पृष्ठ 14

अब कैंसर कोशिकाओं की पहचान होगी आसान

मंडी : कैंसर कोशिकाओं की पहचान करना अब आसान होगा। आइआइटी मंडी के शोधकर्ताओं ने फ्लूरोसेंट नैनोडॉट्स तकनीक ईजाद की है, जिसकी मदद से जैविक कोशिकाओं के अंदर पानी के वितरण को देखना अब संभव हो सकेगा। समय पर बीमारी की पहचान और उपचार संभव होने से लाखों लोगों की जान बचेगी। इसे कैंसर के निदान में बड़ी पहल माना जा रहा है।

सन स्पोर्ट्स
चेन्नई सुपरकिंग्स
vs
मुंबई इंडियंस
रात 8:00 बजे से
स्थान : चेन्नई
स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

मोदी पर फिदा काशी, मेगा रोड शो में टूट गए सारे रिकार्ड

आनन्द राय, वाराणसी

नामवर तो बनारस की सुबह है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार की शाम को यादगार बना दिया। अपने संसदीय क्षेत्र में दूसरी पारी खेलने पहुंचे मोदी के स्वागत में जनसैलाब उमड़ पड़ा। उन्हें तीन बजे आना था, लेकिन सवा दो घंटे की देरी से शुरू हुए इस मेगा शो में अब तक के सारे रिकॉर्ड टूट गए। लंका से लाखों निगाहों की छाया से गुजरती हुई विविध रंगों से सजी उनकी यात्रा ढाई घंटे बाद दशाश्वमेध घाट पर पहुंची तो काशी अभिभूत थी। गंगा आरती में शंखनाद के साथ ही मोदी ने अपनी ताकत दिखा दी और काशी को भगवामय कर दिया। इस मौके पर अमित शाह व कई केंद्रीय मंत्री भी मौजूद थे।

मोदी ने बीएचयू में पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर शीश झुकाकर माल्यार्पण किया। इसके बाद हिलोरे लेते जनसमुद्र का परिक्रमा के अंदाज में अभिवादन किया और चार किलोमीटर लंबे रोड शो की शुरुआत की। भगवा कुर्ता पहने मोदी रेंज रोवर कार से निकले। पीछे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य नेता एक बड़े वाहन पर सवार थे। मोदी ने छत की मुंडेरों से झांक रहीं महिलाओं, बच्चों और बूढ़ों से हाथ हिलाकर संवाद स्थापित किया। जनता ने पुष्प वर्षा कर अपने नेता का स्वागत किया। 25 क्विंटल फूलों की बारिश से उनकी काली कार गुलाबी हो गई। रास्ते भर जहां तक नजर जा रही थी, बस सिर ही सिर नजर आ रहे थे। कोई केसरिया टीशर्ट पहने तो कोई पगड़ी बांधे। किसी के गले में भाजपा का भगवा दुपट्टा तो कहीं रामायण के पात्रों के वेश में रामजी की सेना। मुसलमान भी भाजपा का पटका पहने थे। पूरे शो के दौरान काशी बोले 'दिल से-मोदी फिर से', जैसे नारे गूंज रहे थे।

गंगा-जमुनी तहजीब हुई जिंदा पेज>>5

5:15 बजे शाम बीएचयू से शुरू हुआ मोदी का रोड शो

04 किलोमीटर लंबा नगर भ्रमण ढाई घंटे में पूरा कर सके पीएम

25 क्विंटल फूलों की बारिश की बनारस की जनता ने अपने नेता पर

101 स्वागत द्वार बनाए गए थे रास्ते में

नहीं होगा मोदी बनाम प्रियंका शोडाउन

नई दिल्ली : प्रियंका गांधी वाड्रा के वाराणसी से नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने की अटकलें खत्म हो गई हैं। कांग्रेस ने गुरुवार को वाराणसी से अजय राय को फिर से मैदान में उतारने का एलान किया। वह 2014 के आम चुनाव में भी मोदी के सामने मैदान में थे और तीसरे स्थान पर रहे थे।

(पेज-5)

वाराणसी में चार किमी लंबे रोड शो में उमड़े भारी जनसमूह का अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। लोगों में जबरदस्त उत्साह था और तीर्थनगरी मोदी-मोदी के उद्घोष से गुंजायमान थी। उत्तम राय चौधरी

सीजेआइ से साजिश की जांच करेंगे पूर्व जज एके पटनायक

सख्त रुख ▶ रसूखदार आग से न खेलें वरना अंगुली जल जाएगी : कोर्ट

सीबीआइ, आइबी के निदेशकों और दिल्ली पुलिस प्रमुख को दिया सहयोग का निर्देश

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) रंजन गोगोई को फंसाने के लिए साजिश होने व इसके पीछे कॉरपोरेट फिक्सर लॉबी सक्रिय होने के आरोपों की जांच सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एके पटनायक करेंगे। शीर्ष कोर्ट ने सीबीआइ, आइबी के निदेशकों व दिल्ली पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया है कि वे पटनायक को जांच में सहयोग करें। कोर्ट ने साफ किया कि पटनायक सिर्फ वकील उत्सव बैंस के लगाए आरोपों की जांच करेंगे। वह सीजेआइ पर लगे अमर्यादित आचरण के आरोपों की जांच नहीं करेंगे, न ही इस जांच के नतीजे का असर सीजेआइ पर लगे आरोपों की जांच कर रही आंतरिक जांच कमेटी पर पड़ेगा। हालांकि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि साजिश के आरोपों की एसआइटी जांच का आदेश दिया जाना चाहिए।

एके पटनायक

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2009 से 2014 तक सुप्रीम कोर्ट के जज रहे अनंग कुमार (एके) पटनायक सीबीआइ प्रमुख आलोक वर्मा के खिलाफ जांच करने वाली समिति के अध्यक्ष थे। वह सीबीआइ को तोते की तरह पिंजरे से आजादी दिलाने वाली संविधान पीठ में भी थे। उन्होंने 2जी और कोलकाता हाईकोर्ट के जस्टिस सेन के खिलाफ भी जांच की थी।

जस्टिस अरुण कुमार मिश्रा, आरएफ नरीमन और दीपक गुप्ता की पीठ ने उत्सव बैंस के हलफनामे पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल को आदेश दिया कि वह हलफनामे और दस्तावेजों की मूल प्रति सील कवर में अपने पास सुरक्षित रखें और पूरे सेट की फोटोकॉपी और इस आदेश की प्रति तत्काल जस्टिस पटनायक को सौंपें। कोर्ट ने जस्टिस पटनायक से मामले की जांच करके रिपोर्ट कोर्ट में ही दाखिल करने को कहा है। जांच के दौरान जरूरत पड़ने पर वह किसी की भी मदद ले सकते हैं। रिपोर्ट दाखिल होने के बाद मामले में फिर सुनवाई होगी।

हर दिन जजों को प्रभावित करने की कोशिश : कोर्ट ने कहा, देश के अमीर और रसूखदार आग से न खेलें वरना अंगुली जल जाएगी। कोर्ट ने कहा, 'समय आ गया है कि हम खड़े हों और अमीरों व प्रभावशाली लोगों से कहें कि वे ऐसा नहीं कर सकते। हर दिन हर कोई हमें प्रभावित करने की कोशिश करता है।' जस्टिस मिश्रा ने कहा, जैसे ही कोर्ट किसी अहम मामले की सुनवाई शुरू करता है, पत्र लिखे जाने लगते हैं। ताकत और पैसे के बल पर कोर्ट को नियंत्रित करने की कोशिश हो रही है। पिछले कुछ साल से इस संस्था के साथ जो कुछ हो रहा है, ऐसे में हम कह सकते हैं कि यदि ऐसा ही चलता रहा तो यह बचेगी नहीं।

चार जजों की प्रेस कॉन्फ्रेंस की भी छाया : पिछले साल 12 जनवरी को न्यायपालिका को झकझोर देने वाली शीर्ष अदालत के चार वरिष्ठ जजों की प्रेस कांफ्रेंस का परोक्ष तौर पर जिक्र करते हुए जस्टिस मिश्रा ने कहा कि अभी तक सच्चाई सामने नहीं आई। उन्होंने कहा, 'लोगों को सच्चाई जानना चाहिए। यह चल ही रहा है, जो रुकना चाहिए। क्या इस देश के अमीर और प्रभावशाली लोग यह सोचते हैं कि वे सुप्रीम कोर्ट को रिमोट से कंट्रोल कर सकते हैं?'

हम ब्लैकमेलिंग के स्तर पर जा पहुंचे : कोर्ट ने यह भी कहा कि न्यायपालिका को जब कोई उसे दुरुस्त करने की कोशिश करता है तो उसे बदनाम किया जाता है। पीठ ने कहा, 'हम ब्लैकमेलिंग के स्तर पर जा पहुंचे हैं। चार-पांच फीसद वकील, जिसमें वरिष्ठ वकील भी शामिल हैं, संस्थान को बदनाम कर रहे हैं। बतौर जज इस बात से चिंतित हैं कि हम क्यों आए?

मांगने पर बैंस को देनी होगी सूचना : कोर्ट ने उत्सव बैंस की कुछ सूचनाओं को उजागर नहीं करने और प्रिविलेज का दावा खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि जब भी उनसे मांगी जाए वह सूचना देने को बाध्य होंगे।

जस्टिस पटनायक बोले, शीर्ष अदालत की पवित्रता बनाए रखना जरूरी पेज>>3

जस्टिस रमना ने जांच समिति से खुद को किया अलग

नई दिल्ली : जस्टिस एनवी रमना ने गुरुवार को सीजेआइ पर लगे अमर्यादित आचरण के आरोपों की जांच कर रही जांच समिति से स्वयं को अलग कर लिया। इसके बाद उनके स्थान पर जस्टिस इंदू मल्होत्रा को समिति में शामिल किया गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने आरोपों की जांच के लिए तीन जजों की आंतरिक जांच समिति बनाई थी। समिति में शुक्रवार को सुनवाई होनी है। शिकायतकर्ता महिला ने बुधवार को समिति में जस्टिस एनवी रमना के शामिल होने पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी। (पेज-3)

फिलहाल डीजल कारें नहीं बनाएगी मारुति

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- पहली अप्रैल 2020 से कंपनी बंद करेगी डीजल कारों की बिक्री
- डीजल संस्करण में उपलब्ध विटारा, ब्रेजा और एस-क्रॉस होंगे बंद

देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी ने यह संकेत पहले ही दे दिया था कि डीजल कारों में उसकी रुचि खत्म हो रही है। अब गुरुवार को कंपनी ने कहा है कि वह डीजल चालित कारों का निर्माण फिलहाल बंद करने जा रही है। पहली अप्रैल 2020 से वह डीजल कारों की बिक्री नहीं करेगी। अगले वर्ष से ही देश में सिर्फ बीएस-6 मानकों पर खरा उतरने वाले वाहनों की बिक्री का नियम का लागू होना भी इस फैसले के पीछे एक वजह है।

सालाना वित्तीय परिणाम की जानकारी देने के लिए आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मारुति सुजुकी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने एलान किया, 'कंपनी अप्रैल, 2020 से डीजल कारों का निर्माण नहीं करेगी, लेकिन बीएस-6 मानक लागू होने के बाद अगर हमें लगता है कि डीजल कारों की मांग है, तो हम बहुत ही कम समय में डीजल कारें दोबारा लांच कर सकते हैं।' उन्होंने स्पष्ट किया है कि कंपनी अगर भविष्य में डीजल कारें बनाती भी है, तो 1,500 सीसी क्षमता के इंजन वाले वाहन ही बनाएगी। कंपनी की इस घोषणा से सिर्फ डीजल संस्करण में उपलब्ध मारुति विटारा ब्रेजा और एस-क्रॉस जैसे मॉडल के अलावा स्विफ्ट, बलेनो, डिजायर, सियाज, आर्टिगा के डीजल संस्करण आने बंद हो जाएंगे। इससे कंपनी के वाहनों की बिक्री पर भी असर पड़ेगा। गत वर्ष कंपनी ने 4.63 लाख डीजल कारें बेंची थीं जो कुल बिक्री का तकरीबन 23 फीसद था।

डीजल संस्करणों पर बड़ा निवेश है कंपनी का : कंपनी ने कुछ वर्ष पहले डीजल इंजन निर्माण की फैक्ट्री लगाई थी। एक दशक पहले जब देश में डीजल कारों की बिक्री तेजी से बढ़ रही थी, तब मारुति सुजुकी ने डीजल वाहनों के शोध पर बड़ी रकम का निवेश किया था। एक समय ऐसा भी आया था जब उसकी बिकने वाली एसयूवी व एमपीवी का 50 फीसद हिस्सा डीजल चालित वाहनों का था।

बीएस-6 वाहनों की कीमत एक वजह : कंपनी के फैसले के पीछे सबसे अहम वजह यह मानी जा रही है कि बीएस-6 मानक वाले डीजल वाहनों की कीमत ज्यादा होगी। अभी भी पेट्रोल चालित कारों से डीजल वाहनों की कीमत ज्यादा होती है, लेकिन ईंधन पर खर्च के मामले में अंतर के मद्देनजर काफी ग्राहक डीजल वाहन पसंद करते हैं। एक समय यह अंतर 18-20 रुपये का होता था जो अभी सिर्फ सात रुपये प्रति लीटर के आसपास रह गया है।

मारुति सुजुकी का लाभ गिरा पेज>>11

पीएम का हेलीकॉप्टर चेक करने वाले अधिकारी के निलंबन पर रोक

- चुनाव आयोग ने कर्नाटक सरकार से अनुशासनात्मक कार्रवाई करने को कहा

बेंगलुरु, प्रेट्र : केंद्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल (कैट) की पीठ ने आइएएस अधिकारी मुहम्मद मोहसिन के निलंबन पर रोक लगा दी। ओडिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हेलीकॉप्टर की जांच करने के कारण आइएएस अधिकारी को चुनाव आयोग ने निलंबित करने का आदेश दिया था।

इस बीच चुनाव आयोग ने मोहसिन को अगले आदेश तक चुनाव ड्यूटी से अलग रखने का आदेश दिया है। सूत्रों ने कहा कि आयोग ने कर्नाटक सरकार से अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने को कहा है। कर्नाटक कैडर के अधिकारी ओडिशा में सामान्य पर्यवेक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त थे। ओडिशा के संबलपुर में प्रधानमंत्री के हेलीकॉप्टर की जांच करने को एसपीजी सुरक्षा प्राप्त के मामले में नियमों का उल्लंघन मानते हुए आइएसएस अधिकारी को 17 अप्रैल को निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद उन्हें वापस उनके राज्य भेज दिया गया था। कैट ने कहा है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान जब एसपीजी सुरक्षा प्राप्त को संरक्षण और सुरक्षा का पर्याप्त आश्वासन हो तो यह नहीं कहा जा सकता कि वे कुछ भी और सबकुछ करने के पात्र हैं। पीठ ने चुनाव आयोग और मामले में तैनात चार अन्य को नोटिस जारी किया है। मामले की सुनवाई पीठ छह जून को करेगी। प्रचार दौरे के दौरान मोहसिन ने प्रधानमंत्री के काफिले में कुछ सामान की जांच करने का प्रयास किया था। चुनाव आयोग ने कहा था कि उन्होंने दिए गए निर्देश का उल्लंघन करने का प्रयास किया।

अपने आदेश में कैट सदस्य (न्यायिक) डॉ. केबी सुरेश ने उल्लेख किया है कि एसपीजी सुरक्षा प्राप्त के संबंध में परिपत्र है कि उन्हें कुछ आधार पर कुछ जांच से छूट मिली हुई है। उन्होंने कहा, 'हम एसपीजी सुरक्षित दिशानिर्देश में नहीं जाना चाहेंगे। लेकिन कानून का शासन बना रहना चाहिए।' कैट ने याची के वकील की दलील को भी ध्यान में लिया।

सेना पुलिस में पहली बार होगी महिलाओं की भर्ती

नई दिल्ली : पहली बार भारतीय सेना ने महिला सैन्य पुलिस में सैनिकों के रुप में भर्ती के लिए अविवाहित महिलाओं का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू कर आवेदन मांगे है। कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के बाद अभ्यर्थियों का फिजिकल एंड्योरेंस टेस्ट होगा। अभ्यर्थियों की न्यूनतम आयु साढ़े 17 साल और अधिकतम आयु 21 साल होनी चाहिए। शैक्षिक योग्यता में हर विषय में 33-33 या कुल 45 फीसदी नंबरों के साथ 10वीं पास होना जरूरी है। (पेज-3)

श्रीलंका में बेटों से हमला कराने वाला मसाला किंग गिरफ्तार

कोलंबो, प्रेट्र : श्रीलंका में ईस्टर पर हुए भीषण आतंकी हमले के मामले में धरपकड़ तेज हो गई है। पुलिस ने गुरुवार को मसाला कारोबारी मुहम्मद यूसुफ इब्राहिम को गिरफ्तार किया। युसुफ इस हमले में शामिल रहे दो कथित आत्मघाती हमलावरों का पिता है। संदेह है कि उसने ही अपने बेटों को हमले के लिए उकसाया था। आत्मघाती हमले में मरने वालों की संख्या 360 हो चुकी है। (पेज-13)

चेताया

मोबाइल फोन के इस्तेमाल से शारीरिक और मानसिक सेहत पर पड़ता है नकारात्मक असर, एक साल तक के बच्चों को फोन से पूरी तरह दूर रखना ही बेहतर

बच्चों की अच्छी सेहत के लिए फोन से दूरी बहुत जरूरी

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र : स्मार्टफोन हर किसी की दिनचर्या का हिस्सा बनता जा रहा है। हालात ऐसे हैं कि सालभर से भी कम उम्र के बच्चों को माता-पिता फोन दिखाने लगे हैं। तीन बरस का बच्चा जब फोन पर अपनी मर्जी के यूट्यूब चैनल चलाने लगता है, तो टचस्क्रीन पर उसकी अंगुलियों की करामात देख माता-पिता गर्व महसूस करते हैं। अगर आप भी ऐसे अभिभावकों में से हैं, तो संभल जाएं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बच्चों को फोन और टीवी दिखाने को लेकर चेताया है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि ज्यादा देर फोन देखना बच्चे की सेहत पर भारी पड़ सकता है।

वैज्ञानिक मानते हैं कि टीवी, मोबाइल या लैपटॉप पर ज्यादा वक्त बिताने से बच्चों की शारीरिक व मानसिक सेहत पर नकारात्मक असर पड़ता है। हालांकि अब तक इसे लेकर बहुत ज्यादा डाटा नहीं जुटाया जा सका है। डब्ल्यूएचओ ने दुनियाभर में मोटापे के बढ़ते खतरे से निपटने और बच्चों का बेहतर विकास सुनिश्चित करने के लिए अभियान चलाया है। इसी के अंतर्गत स्क्रीन टाइम यानी मोबाइल या टीवी के सामने बिताए जाने वाले वक्त को लेकर भी दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि जीवन के शुरुआती पांच साल बच्चों के दिमागी विकास और स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत अहम होते हैं। ऐसे बच्चों का स्क्रीन टाइम कम से कम रखने की कोशिश करनी चाहिए। बेहतर होगा कि एक साल से छोटे बच्चों को इनसे पूरी तरह दूर रखा जाए। पांच साल तक के बच्चों के लिए दिन में एक घंटे का स्क्रीन टाइम पर्याप्त है। ज्यादा स्क्रीन टाइम से बच्चे मोटापे का शिकार हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, दुनिया भर में पांच साल से कम उम्र के करीब चार करोड़ बच्चे मोटापे का शिकार हैं। इनमें से आधे बच्चे अफ्रीका व एशिया से हैं।

बहुत अहम होती है यह उम्र : शुरुआती उम्र में बच्चों की जैसी आदत बन जाती है, आगे की उम्र में भी अक्सर वही आदत बनी रहती है। इसलिए बचपन में ही आदतों को सही रखना बेहद जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेडरोस एडनम ने कहा, 'बचपन तेज विकास का वक्त होता है। इस समय परिवार के लाइफस्टाइल पैटर्न का सेहत पर बहुत असर पड़ता है।' बच्चों को बहुत समय तक सुलाकर या बैठाकर रखना उनकी सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। पढ़ना, कहानी सुनना, पहेलियां हल करना सेहत के लिहाज से बेहतर विकल्प हो सकता है।

जिंदगी भर के लिए अच्छी सेहत की सौगात : विश्व स्वास्थ्य संगठन से जुड़ी डॉ. फियोना बुल ने कहा, 'शारीरिक गतिविधियां बढ़ाने, बैठे रहने का वक्त कम करने और अच्छी नींद लेने से बच्चे का बेहतर विकास होता है। इससे ना केवल उसे मोटापे से दूर रखना संभव है, बल्कि आगे चलकर होने वाली कई बीमारियों से भी यह लाइफस्टाइल उसे बचा सकती है।' शारीरिक गतिविधियों को लेकर तय मानक पूरा नहीं करना विभिन्न आयु वर्ग में हर साल 50 लाख से ज्यादा लोगों की असमय मौत का कारण बन जाता है। इस समय 23 फीसद वयस्क और 80 फीसद बच्चे पर्याप्त रूप से सक्रिय लाइफस्टाइल नहीं जी रहे हैं।

एक साल से छोटे बच्चों को भी रखें सक्रिय : डब्ल्यूएचओ

डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि एक साल से कम उम्र के बच्चों को भी अलग-अलग तरीके से सक्रिय रखना चाहिए। उन्हें फर्श पर खेलने का मौका देना चाहिए। बच्चों को लगातार एक घंटे से ज्यादा किसी एक ही स्थिति में रहने के लिए मजबूर करना सही नहीं है। बहुत देर तक उन्हें प्रैम या स्ट्रॉलर में बैठाए रखना, किसी कुर्सी पर बैठाकर छोड़ देना या फिर गोद में लेकर बैठे रहना सही नहीं है।

आप ने दाखिले और नौकरी में 85 फीसद कोटे का किया वादा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

- मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जनता के सामने रखा पार्टी का चुनावी घोषणा पत्र
- पूर्ण राज्य की मांग को पूर्ण प्राथमिकता देने के साथ ही जनता से किए 12 वादे

आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार को लोकसभा चुनाव 2019 के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी कर दिया। पार्टी ने 38 पेज के इस घोषणा पत्र में पूर्ण राज्य की मांग दोहराई है। साथ ही एलान किया कि कालेजों में दाखिले और सरकारी नौकरियों में दिल्ली के लोगों के लिए 85 प्रतिशत सीटें आरक्षित की जाएगी। नए मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों की स्थापना कर लगभग 10 हजार सीटों की वृद्धि की जाएगी।

आप मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, ने सातों प्रत्याशियों की उपस्थिति में घोषणा पत्र जारी किया। पार्टी ने अगले पांच साल के लिए दिल्ली की जनता से 12 चुनावी वादे किए हैं। इनमें, शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस सुधार, महिला सुरक्षा, रोजगार, भ्रष्टाचार, सीलिंग से बचाव, साफ-सफाई, प्रदूषण, परिवहन, यमुना की सफाई, जमीन और मकान प्रमुख हैं। केजरीवाल ने कहा, 2019 के चुनाव में किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिल रहा है। यह चुनाव भारत के जनतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है। यह चुनाव भारतीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण टर्निंग प्वाइंट बन सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली में आम आदमी की जिंदगी दोयम दर्जे की रह गई है। देश के किसी भी अन्य हिस्से का निवासी वोट देता है तो उसकी पूरी ताकत होती है। वह अपने लिए पूरी राज्य सरकार को चुनता है, पर दिल्ली का आम आदमी जब वोट देता है तो वह आधी-अधूरी सरकार चुनता है। (पेज-2 भी देखें)